Training on
Forestry for Eco-restoration and Low Carbon Future at Shri Singaji Thermal Power Plant, Khandwa

Under the consultancy project "Controlling Fugitive Dust Emission through Biological Reclamation of Flyash Lagoons in Shri Singaji Thermal Power Project (SSTPP), Khandwa, Madhya Pradesh", a two days training programme on 12-13 December 2018 was conducted for the officers of Madhya Pradesh Power Generating Company Ltd. (MPPGCL). This training titled "Forestry for Eco-Restoration and Low Carbon Future" was conducted at the conference hall, SSTPP administration block, Khandwa and was attended by 25 officers from various units of MPPGCL.

The training was inaugrated with lightening of lamp by the officers of MPPGCL and scientists of TFRI including Er. Y.K. Shilpkar, Chief Engineer (C.E.); Er. A.K. Sharma, Addl. C. E. (Construction); Er. A.H. Rizvi, Addl. C.E. (D&M); Er. P.C. Nimare, Addl. C.E. (C); Er. Rakesh Malhotra, Addl. C.E. (W); Dr. R.K. Verma, Scientist-G, Forest Protection Division and Dr. Avinash Jain, Scientist-F, Ecology and Climate Change Division, TFRI, Jabalpur.

Er. P.C. Nimare briefed the gathering about the association of MPPGCL with TFRI. Shri Prashant Namjoshi, Sr. Chemist, addressed about the problems generated by the flyash and emergent need for finding solution to the problem leading to formulation of the project with TFRI. Thereafter, Dr. Avinash Jain welcomed all the members and delivered talk on Carbon stock assessment and annual sequestration in different pools.

The post lunch session was followed by various talks and group discussions on generation of quality planting stock, insect and pest management and use of biofertilizers in the plantation by Dr. Naseer Mohammad, Dr. Pawan Rana and Dr. R. K. Verma, respectively.

The second day of the training, as scheduled, started with presentation on carbon credit through plantation and talk on Clean Development Mechanism and REDD plus, followed by presentation on introduction to Agroforestry by Ms. Nidhi Mehta and Ms. Nikita Rai respectively. Mr. M. Rajkumar acquainted the trainees with various field inventories and monitoring techniques of plantation through his talk and later in the field through demonstration.

The valedictory session was chaired by Er. B.L. Naval, Exec. Director, SSTPP, who extended his gratitute towards TFRI for their enthusiam and knowledge sharing. Further, participants shared their experiences about the training. Dr. Avinash Jain extended his gratitute for the arrangements and cooperation by MPPGCL followed by extention of vote of thanks by Mr. M. Rajkumar.

Photo Gallery

Inauguration and welcome of officers of MPPGCL

Talk on Carbon stock assessment and annual sequestration by Dr. Avinash Jain

Group photograph with officers and participants of MPPGCL

Field visit during the training on Forestry for Eco-restoration and Low Carbon Future

Media Coverage

सिंगाजी ताप परियोजना

कार्यशाला में पर्यावरण, पुनर्वास और कार्बन स्टॉक पर चर्चा की

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीड़. सिंगाजी ताप परियोजना में एडमिन बिल्डिंग के कॉन्फ्रेंस हॉल में उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान केंद्र जबलपुर के वैज्ञानिकों के द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ वायके शिल्पकार चीफ इंजीनियर जबलपुर सिंगाजी परियोजना के अतिरिक्त मुख्य अभियंता एके शर्मा, एएच रिजवी, पीसी निमारे, राकेश मल्होत्रा और अन्य मध्य प्रदेश पावर जेनरेटिंग कंपनी अधिक अधिकारियों के उपस्थिति में हुआ।

प्रशिक्षण में उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान जबलपुर के वैज्ञानिकों के द्वारा वानिकी के विभिन्न विषयों पर प्रकाश डाला, साथ ही कार्बन स्टॉक आंकलन वार्षिक कार्बन संग्रहण वानिकी नर्सरी में जैव उवरकों का प्रयोग नर्सरी एवं वृक्षारोपण क्षेत्र में कीट प्रबंधन कृषि वानिकी द्वारा सतत उत्पादन बंजर भूमि पुनरुत्थान के लिए उत्तम रोपण पौध उत्पादन उद्योगिक पौधारोपण के माध्यम से कार्बन क्रेडिट से संबंधित अंतरराष्ट्रीय नीतियों के विषयों पर चर्चा की गई। पौधरोपण को सूचीबद्ध एवं निगरानी करने के लिए उपयोगी अनेक वानिकी परिधि की से संबंधित उपकरणों का प्रयोग एम राज कुमार वैज्ञानिक जबलपुर द्वारा दिया गया। दो प्रशिक्षण में डॉ .अविनाश जैन, डॉ. आरके शर्मा, डॉक्टर पवन राना, डॉक्टर नसीर मोहम्मद, एमराज कुमार, निधि मेहता, निकिता राय द्वारा दिया गया।

कार्यशाला में सिंगाजी ताप परियोजना के अधिकारियों को समूह चर्चा के द्वारा वानिकी संबंधित समस्याओं के वैज्ञानिक एवं तकनीकी संसाधनों से अवगत हुए।

सिंगाजी कार्यशाला में वैज्ञानिकों ने अधिकारियों से की समूह चर्चा

बीड़ (निप्र) । सिंगाजी ताप परियोजना में एडमिन बिल्डिंग के कॉफ्रेंस हाल में उष्णकटीयबंधीय वन अनुसंधान केंद्र जबलपुर के वैज्ञानिकों के द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ व्हाय के शिल्पकार चीफ इंजीनियर जबलपुर, सिंगाजी परियोजना के अतिरिक्त मुख्य अभियंता एके शर्मा, एएच रिजवी, पीसी निमारे, राकेश मल्होत्रा और अन्य मध्य प्रदेश पावर जेनरेटिंग कंपनी अधिक अधिकारियों के उपस्थिति में हुआ । प्रशिक्षण के अंतर्गत उष्णकटीय बंधीय वन अनुसंधान जबलपुर के वैज्ञानिकों के द्वारा वानिकी के विभिन्न विषयों पर प्रकाश डाला गया। साथ कार्बन स्टाक आंकलन वार्षिक कार्बन संग्रहण वानिकी नर्सरी में जैव उर्वरकों का प्रयोग नर्सरी एवं वृक्षारोपण क्षेत्र में कीट प्रबंधन कृषि वानिकी द्वारा सतत उत्पादन बंजर भूमि पुनरुत्थान हेतु उत्तम रोपण पौध उत्पादन उद्योगिक पौधारोपण के माध्यम से कार्बन क्रेडिट से संबंधित अंतरराष्ट्रीय नीतियों के विषयों पर चर्चा की गई। प्रशिक्षण के अंत में पौधारोपण को सूचीबद्ध एवं निगरानी करने हेतु उपयोगी अनेक वानिकी परिधि से संबंधित उपकरणों का प्रयोग एम राज कुमार वैज्ञानिक जबलपुर द्वारा दिया गया। दो प्रशिक्षण में डॉ. अविनाश जैन, डॉ. आरके शर्मा, डॉक्टर पवन राना, डॉक्टर नसीर मोहम्मद, एम राज कुमार निधि मेहता, निकिता राय द्वारा दिया गया। कार्यशाला में सिंगाजी ताप परियोजना के अधिकारियों को समूह चर्चा के द्वारा वानिकी संबंधित समस्याओं के वैज्ञानिक एवं तकनीकी संसाधनों से अवगत हुए।

7 वैज्ञानिकों ने 20 इंजीनियरों को बताया पर्यावरण को कैसे शुद्ध रख सकते हैं

सिंगाजी परियोजना के भवन के कांफ्रेंस हॉल में हुई कार्यशाला में जबलपुर से आए वैज्ञानिकों ने प्रशिक्षण दिया।

सिंगाजी परियोजना : जबलपुर से आई वैज्ञानिकों की टीम ने दो दिन दिया प्रशिक्षण

भास्कर संवाददाता | बीड़

सिंगाजी ताप परियोजना से उड़ती राखड़ के कारण वातावरण में कार्बन स्टाक संरक्षण को लेकर दो दिनी कार्यशाला का आयोजन बुधवार-गुरुवार को किया गया। जबलपुर से आई 7 वैज्ञानिकों की टीम ने परियोजना के प्रमुख अफसरों के साथ 20 इंजीनियरों को भी समझाया कि कैसे वातावरण को शुद्ध रखा जा सकता है।

परियोजना में उष्ण कटिबंधीय व अनुसंधान कार्यक्रम का शुभारंभ चीफ इंजीनियर वाय.के. शिल्पकार (जबलपुर), सिंगाजी परियोजना के अभियंता एके शर्मा, एएच रिजवी, पीसी निमारे, राकेश मनोत्रा की उपस्थिति में हुआ। वैज्ञानिकों की टीम का नेतृत्व डॉ. अविनाश जैन ने किया। उन्होंने वानिकी के विषयों के साथ कार्बन स्टाक आंकलन, वार्षिक कार्बन संग्रहण, वानिकी नर्सरी में जैव उर्वरकों का प्रयोग, नर्सरी एवं पौधारोपण क्षेत्र में कीट प्रबंधन आदि पर सैद्धांतिक व जंगल में जाकर प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। वैज्ञानिकों की टीम में डॉ. जैन के अलावा डॉ. आरके शर्मा, पवन राना, नसीर मोहम्मद, एम राजकुमार, निधि मेहता, निकिता राय शामिल थे।